IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 6, November 2024
Impact Factor: 7.57

Hkkjrh; Kku ijEijk d lnHk e ub f'k{kk uhfr 2020 dh çklfxdrk

M,- çfr"Bk 'kek
सहायक प्राध्यापक, हिंदी अध्ययनशाला
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन(म.प्र.)

lkjk'k

भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य चिंतन, वेदों से लेकर संत साहित्य और आधुनिक विधाओं तक फैला है, जो धर्म, दर्शन, नैतिकता, सामाजिक चेतना और लोकजीवन को गहराई से अभिव्यक्त करता हैय यह सिर्फ ज्ञान का माध्यम नहीं बल्कि सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक उन्नति और सामाजिक सुधार का भी शक्तिशाली उपकरण रहा है, जिसने भारतीय सभ्यता को विशिष्ट पहचान और निरंतरता दी है, जिसमें काव्य, कथाएँ और नाटक प्रमुख भूमिका निभाते हैं।भारतीय ज्ञान परंपरा का मुख्य उद्देश्य मानव जीवन को समग्र रूप से समृद्ध बनाना, आध्यात्मिक और व्यावहारिक ज्ञान का समन्वय करना, और नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना है, ताकि व्यक्ति न केवल ज्ञान प्राप्त करे, बल्कि समाज के लिए उपयोगी और मोक्षगामी भी बन सके, जिसमें विज्ञान, कला, दर्शन, गणित, खगोलशास्त्र, चिकित्सा और योग जैसे क्षेत्रों में प्राचीन भारत के योगदान को पुनर्जीवित करना शामिल है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-22559